जे.सी.ई.आर.टी पत्रांक-112, दिनांक-27/02/2020 बिन्दु-2 (कक्षा 1, 2, 3 एवं 4 का मूल्यांकन) के आलोक में मॉडल प्रश्न-पत्र एवं तत्संबंधी अनुदेश

1. विदित है कि सतत एवं समग्र मूल्यांकन के अंतर्गत कक्षा 3 एवं 4 का विद्यालय स्तर पर योगात्मक मूल्यांकन (SA) कुल 60 अंकों के आधार पर किया जाता है और इसका भार (weightage) 30 अंक का होता है।
2. झारखण्ड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् के द्वारा उक्त 60 अंकों के प्रश्न के स्थान पर अधिगम प्रतिफलों (Learning Outcomes) पर आधारित कुल 30 अंक के प्रश्न दिए जा रहे हैं ताकि सतत एवं समग्र मूल्यांकन पंजी में विद्यार्थियों के प्राप्तांकों का संधारण / प्रगति-पत्र तैयार करना सहज हो सके।
3. प्रस्तुत सभी मॉडल प्रश्न-पत्र **सुझावात्मक** हैं। **शिक्षक पूर्व की भांति 60 अंकों का अधिगम प्रतिफलों (LOs) पर आधारित प्रश्न-पत्र स्वयं बनाकर विद्यार्थियों का मूल्यांकन कर सकते हैं।**
4. कक्षा 1 से 4 का द्वितीय योगात्मक मूल्यांकन निर्धारित अवधि (16.03.2020 से 20.03.2020) के भीतर सहजतापूर्वक संपन्न हो सके, इसके लिए निम्नांकित कार्य किए जा सकते है-
    i. कक्षावार एवं विषयवार मौखिक/लिखित आकलन के लिए एक समय-तालिका बनाकर इसकी सूचना विद्यार्थियों को पूर्व में दे दी जाए।
    ii. कक्षा 1 एवं 2 का मौखिक मूल्यांकन होना है, जिसे शिक्षक अपनी सुविधा और आवश्यकतानुसार समय निर्धारित कर पूर्ण कर सकते हैं।
    iii. कक्षा 3 एवं 4 के विद्यार्थियों को मुद्रित/छायाप्रति प्रश्न-पत्र उपलब्ध न करा पाने की स्थिति में प्रश्नों को ब्लैकबोर्ड पर लिखना पड़ता है। ऐसी स्थिति में यह सुझाव दिया जाता है कि शिक्षक प्रश्न-पत्रों को पहले से ही चार्ट पेपर/डिस्प्ले बोर्ड पर बड़े और सुस्पष्ट अक्षरों में लिखकर रख लें तथा मूल्यांकन की निर्धारित तिथि के दिन वर्ग-कक्ष में टांग दें/प्रदर्शित करें। ध्यान रहे, प्रदर्शित प्रश्नों की लिखावट ऐसी हो कि सबसे पीछे बैठा विद्यार्थी भी सुगमतापूर्वक प्रश्नों को देख सके। इसके लिए एक से अधिक चार्ट पेपर का भी उपयोग किया जा सकता है।
    iv. लिखित मूल्यांकन-कार्य में संलग्न शिक्षक चार्ट पेपर अथवा डिस्प्ले बोर्ड पर लिखित प्रश्नों को दो बार पढ़कर सुनाएँ ताकि विद्यार्थी प्रश्नों को भलीभांति समझ लें। विद्यार्थियों को उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न उतारने/कॉपी करने के लिए न कहें; प्रश्न संख्या लिखवाकर सिर्फ उत्तर लिखवाएँ।
    v. विद्यार्थियों के अधिगम-स्तर का सही आकलन हो सके इसके लिए प्रश्नपत्रों की गोपनीयता बनाए रखा जाए। शिक्षकों को ध्यान रखना चाहिए कि विद्यालय स्तर पर किए जानेवाले आकलन की वैधता एवं विश्वसनीयता बनी रहे।
5. मूल्यांकन के पश्चात उत्तरपुस्तिकाओं की जाँच विद्यालय स्तर पर करते हुए प्राप्तांकों का संधारण कर लिया जाए तथा सतत एवं समग्र मूल्यांकन के निर्देशों के अनुसार सभी रचनात्मक एवं योगात्मक मूल्यांकनों का समेकित प्राप्तांक (परीक्षाफल) की घोषणा निर्धारित तिथि तक कर दी जाए।
6. मूल्यांकन संबंधी अन्य अनुदेश पूर्व निर्गत पत्र जे.सी.ई.आर.टी पत्रांक-112 दिनांक-27/02/2020 के अनुसार यथावत रहेंगे।

****